

## SALTOC Project

Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura : Rājasthāna Sāhitya Akādamī

OCLC: 3195624

Volume 37, number 12 (December 1997)

TOC supplied by: University of Pennsylvania Libraries

## अनुक्रम

|  |    |  |     |
|--|----|--|-----|
| प्रसंगवश<br>लेख  | 4  | योगेश कानवा<br>हैं नहीं जानता, प्रतीक्षा, दो पुरुष                               | 88  |
| डॉ. शैलजा भारद्वाज<br>स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी नाटकों में लोकतत्त्व<br>एवं आधुनिक भावबोध | 7  | मोतीलाल<br>उन्नता होना, हमारा सूरज   | 93  |
| हरि शर्मा<br>सांठोत्तरी कविता में लोकभाषा के विविध<br>प्रयोग                             | 14 | डॉ. त्रिभुवन चतुर्वेदी<br>कितने भोले हैं लोग                                     | 96  |
| सुरेश पंडित<br>मनुष्य के स्वाधिकार की रक्षा के लिए<br>प्रतिबद्ध - महाश्वेता              | 21 | प्रदीप भट्ट<br>वेर   | 97  |
| डॉ. अली अब्बास 'उस्मानी'<br>एक कविदन्ती 'गालिब'  | 26 | रामनारायण पटेल 'शम्भु'<br>मंगल   | 99  |
| डॉ. कमल किशोर शोषणका<br>बचनजी से मेरी पहली भेंट<br>कहानी                                 | 30 | राधेश्याम मिश्र<br>शब्द की जय  | 100 |
| माधव नागदा<br>जखी की डायरी में<br>शचीन्द्र उपाध्याय<br>पुल से लुढ़कते                    | 36 | अरविन्द के. सिन्हा<br>माटी की गंध  | 102 |
| शचीन्द्र उपाध्याय<br>पुल से लुढ़कते  | 41 | बांग्ला कविता<br>सुभाषचन्द्र शांशुली 'निर्भीक'                                   | 103 |
| डॉ. अजरा 'नूर'<br>आजादी  | 45 | अनु. अनिल अनवर<br>अतृप्ति का सुख   | 104 |
| कमल शोषण<br>कुछ हुआ  | 48 | कृष्णस्वरूप प्राणेश्वर 'निर्बल'<br>दो गीत  | 106 |
| सावित्री रंका<br>अपना सुख  | 51 | डॉ. जोगेश्वर सिंह त्यागी<br>गीत  | 106 |
| शीला व्यास<br>नये सूरज की तलाश<br>भराटी कहानी  | 56 | बजरंगलाल विक्रम<br>गीत   | 107 |
| तो. मदाकिनो गोडसे<br>अनु. के. अ. अगाशे<br>निशा पाषाण - मैं !                             | 59 | रामानुज त्रिपाठी<br>अहरी धूप   | 108 |
| प्रहसन<br>निर्भीही व्यास<br>किराये की काया   | 66 | अनिरुद्ध सिन्हा<br>गजल   | 108 |
| व्यंग्य<br>बटुक चतुर्वेदी<br>हिन्दी सेत्रक का सम्मान                                     | 75 | सुरेश मिश्र 'निर्भीही'<br>दो गजले  | 109 |
| संस्मरण<br>कमल शोषण<br>कैसे भूलूँ कविचर पंत तुम्हें ?                                    | 78 | डॉ. अशोक 'गुलशन'<br>दो गजले  | 111 |
| कविताएँ<br>मन्दकिशोर भोलम<br>दहशत, पाप   | 86 | समीक्षाएँ<br>डॉ. लक्ष्मीनारायण मन्दवाना<br>विसंगतियों पर प्रहार करते तीन व्यंग्य | 112 |
| डॉ. निर्मला शर्मा<br>आखिर क्यों ?  | 87 | संकलन<br>डॉ. रेणु शाह<br>दूरी हुई जमीन   | 115 |
|  |    | प्रमोद भट्ट<br>चौर कथा संकलन   | 117 |
|  |    | पाठकीय प्रतिक्रिया<br>अखण्ड<br>राम जैसवाल  | 119 |